Indira Gandhi National Open University

Regional Centre, 5-C/INS-1, Sector-5, Vrindavan Yojna, Telibagh, Lucknow - 226 024

Report on Press Varta organized at IGNOU LSC-27188, Dayanand Vedic PG College, Orai (Jalaun)

IGNOU Regional Centre, Lucknow has organized **Press Varta IGNOU Learner Support Centre - 27188, Dayanand Vedic PG College, Orai (Jalaun)** on **Thursday, 25th April, 2024** about promotion of IGNOU Programmes. Press Varta has been attended by **Dr. Anil Kumar Misra**, Additional Director, **Dr. Nishith Nagar**, Assistant Registrar, IGNOU, Regional Centre, Lucknow, **Dr. Rajesh Chandra Pandey**, Principal, **Dr. Shailja Gupta**, Coordinator, **Dr. Namo Narayan**, Assistant Coordinator and **Dr. Alka Rani**.

इग्नू के माध्यम से एक साथ कर सकेंगे दो कोर्स

संवाद न्यूज एजेंसी

उरई। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्याल (इग्नू) अध्ययन केंद्र दयानंद वैदिक कालेज इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अब एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान की गई है।

जिससे विद्यार्थियों को दो डिग्री कोर्स को अब एक ही समय में करने की सुविधा प्राप्त होगी, इसमें

अब एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति दी गई

एक उपाधि संस्थागत व दूसरा इग्नू की दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अथवा दोनों ही इग्नू से कर सकते है। सहायक कुलसचिव डॉ. निशित नागर ने बताया कि अग्निवीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। अध्ययन केंद्र समन्वयक डॉ. शैलजा गुप्ता, प्राचार्य डॉ. राजेश चंद्र पांडेय डॉ. अलका रानी पुरवार आदि मौजूद रहे।

आनलाइन 300 पाठ्यक्रमों का संचालन कर रही इग्नू

जागरण संवाददाता, उरई : इग्नू ओडीएल व आनलाइन मोड के 300 पाठ्यक्रमों का संचालन कर रही है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के अध्ययन केंद्र दयानंद वैदिक विद्यालय में इग्नू के क्षेत्रीय अपर निदेशक डा. अनिल कुमार मिश्रा व सहायक कुलसचिव डा. निशित नागर ने जानकारी दी। बताया कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र उच्च शिक्षा से वंचित समाज को शिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

क्षेत्रीय अपर निदेशक ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से अब एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान की गई है। जिससे विद्यार्थियों को दो डिग्री कोर्स को अब एक ही समय में करने की सुविधा प्राप्त होगी। इसमें एक उपाधि संस्थागत व दूसरा इग्नू की दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से व दोनों ही इग्नू से कर सकते हैं। सहायक कुलसचिव डा. निशित नागर ने बताया कि इग्नू द्वारा ओडीएल व आनलाइन मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इग्नू 21 विद्यापीठों के माध्यम से मानविकी, कानून, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, शिक्षा, सतत शिक्षा, कंप्यूटर, कृषि, स्वास्थ्य विज्ञान, पत्रकारिता इत्यादि से संबंधित पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। इस दौरान क्षेत्रीय अपर निदेशक डा. अनिल कुमार मिश्रा, प्राचार्य डा. राजेश चंद्र पांडेय, संयोजक डा. अलका रानी पुरवार, केंद्र समन्वयक डा. शैलजा गुप्ता मौजूद रहीं।

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अब एक साथ दो डिग्री के लिए मिली अनुमतिः मिश्रा

झाँसी (बीपीएन टाइम्स)। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के क्षेत्रीय अपर निदेशक, डॉ० अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ० निशित नागर ने संवाददाताओं से वार्ता की और बताया कि इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में उच्च शिक्षा से वंचित समाज को शिक्षित करने का भागीरथ प्रयास किया जा रहा है।

क्षेत्रीय अपर निदेशक, डॉ० अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अब एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान की गई है जिससे विद्याथीओं को दो डिग्री कोर्स को अब एक ही समय में करने की सुविधा प्राप्त होगी, इसमें एक उपाधि संस्थागत व दूसरा इग्नू की दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अथवा दोनों ही इग्नू से कर सकते है।सहायक कुलसचिव डॉ० निशित नागर ने बताया कि इग्नू द्वारा ओ.डी.एल. एवं ऑनलाईन मोड में लगभग 300 पाठ्यकमों का संचालन किया जा रहा है।इग्नू 21 विद्यापीठों के माध्यम से मानविकी, कानून, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, शिक्षा, सतत शिक्षा, कम्प्यूटर, कृषि, स्वास्थ्य विज्ञान,पत्रकारिता इत्यादि से संबधित पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।डॉ० नितिश नागर बताया कि इग्नू द्वारा विशेष रुप से अग्निवीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।क्षेत्रीय अपर निदेशक, डॉ० अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि इग्नू की प्रवेश नीति ’जब चाहो तब प्रवेश पाओ’ की है इसके अन्तर्गत छात्र वर्ष भर में कभी भी आवेदन कर सकते है तथा सामान्य कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा नही निर्धारित की गयी है।आज इग्नू में 30 लाख से भी अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत है।इग्नू का उद्देश्य दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुँचाना है।अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ० शैलजा गुप्ता ने बताया कि अध्ययन केन्द्र 27188 दयानन्द वैदिक कालेज, उरई में परास्नातक, स्नातक, डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र के अनेक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा से जुडे शिक्षक, भारतीय सेना के जवान तथा अन्य सरकारी विभागों में कार्यरत बहुत से लोग अध्ययन केन्द्र 27188 पर नामांकित है तथा यह भी बताया कि अध्ययन केन्द्र 27188 दयानन्द वैदिक कालेज, उरई को परीक्षा केन्द्र भी बना दिया गया है। अब इग्नू के विद्यार्थी अध्ययन केन्द्र 27188 पर भी परीक्षा दे सकते है।क्षेत्रीय अपर निदेशक, डॉ० अनिल कुमार मिश्रा ने कहा इग्नू अपने विद्यार्थियों के ज्ञानोपार्जन हेतु विभिन्न प्रकार के डिजिटल प्लेटफार्मो जैसे प्रभा चैनल, ज्ञान दर्शन व ई ज्ञानकोष के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्ययन में सहायता प्रदान करता है।विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए इग्नू की बेबसाइट सर्च कर अध्ययन से सम्बन्धित अनेकानेक जानकारी प्राप्त कर सकते है। वार्ता में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) राजेश चन्द्र पाण्डेय, संयोजक डॉ० अलका रानी पुरवार आदि मौजूद रहे। अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ० शैलजा गुप्ता ने आये हुए सभी संवाददाताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

'अब एक साथ दो डिग्री कोर्स करें'

उरई, संवाददाता। अब एक ही समय में छात्र-छात्राएं दो डिग्री कोर्स कर सकेंगे। नई शिक्षा नीति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अब एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान की है।

गुरुवार को डीवी कॉलेज उरई में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने कहा इग्नू की प्रवेश नीति जब चाहो तब प्रवेश पाओ की है। छात्र वर्ष भर में कभी भी आवेदन कर सकते हैं। सामान्य कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा आयु सीमा नहीं निर्धारित की गई है। आज इग्नू में 30 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्यनरत हैं। इग्नू का उद्देश्य दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तथा उच्च एवं कौशल विकास

जानकारी देते इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ अपर निदेशक डॉ. अनिल मिश्रा।

इग्नू क्षेत्रीय लखनऊ के सहायक कुल सचिव डॉ निशित नागर ने कहा कि इग्नू द्वारा ओडीएल वं ऑनलाइन मोड में 300 पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इग्नू 21 विद्यापीठों के माध्यम से मानविकी, कानून, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, शिक्षा, सतत शिक्षा, कंप्यूटर, कृषि, स्वास्थ्य विज्ञान, पत्रकारिता से संबंधित पाठ्यक्रमों का संचालित करता है। अग्निवीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इग्नू अध्ययन केंद्र डीवीसी उरई की केंद्र समन्वयक डॉ. शैलजा गुप्ता ने कहा परास्नातक, स्नातक, डिप्लोमा तथा प्रमाण पत्र के अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षक भारतीय सेवा के जवान तथा अन्य सरकारी विभागों में कार्यालयै बहुत से लोग अध्ययन केंद्र उरई पर नामांकित हैं।

[जागरण जालौन]

इग्नू बुन्देलखण्ड में उच्च शिक्षा से वंचित हुए लोगों को शिक्षा प्रदान करेगी : मिश्रा

उरई (जालौन) : इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वव्यिालय (इग्नू) के अध्ययन केन्द्र 27 188 दयानन्द वैदिक कालेज उरई मे इग्नू क्षेत्राय केन्द्र लखनऊ के क्षेत्रीय अपर निदेशक, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ. निशित नागर ने वार्ता के दौरान बताया कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा बुदेलखण्ड क्षेत्र में उच्च शिक्षा से वंचित समाज को शिक्षित करने का भागीरथ प्रयास किया जा रहा है।

क्षेत्रीय अपर निदेशक, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अब एक साथ दो पाठयक्रमों को करने की अनुमति प्रदान की गई है। जिससे विद्यार्थीओं को दो डिग्री कोर्स को अब एक ही समय में करने की सुविधा प्राप्त होगी। इसमें एक उपाधि संस्थागत दूसरा इग्नू की दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अथवा दोनों ही इग्नू से कर सकते है| सहायक कुलसचिव डॉ. निशित नागर बताया कि इग्नू द्वारा ओडीएल एवं ऑनलाईन मोड में लगमग 300 पाठ्यकमों का संचालन किया जा रहा है। इग्नू 21 विद्यापीठों के माध्यम से मानविकी, कानून, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान. शिक्षा, सतत शिक्षा, कम्पयूटर कृषि, स्वास्थ्य विज्ञान, पत्रकारिता इत्यादि से संबधित पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। डॉ. नितिश नागर ने बताया कि " इग्नू विशेष रुप से अग्निवीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि कार्यक्रम का ई संचालन किया जा रहा है।" क्षेत्रीय अपर निदेशक, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि इग्नू की प्रवेश नीति "जब चाहो तब प्रवेश पाओ" की है। इसके अर्तगत छात्र वर्ष भर में कभी भी आवेदन कर सकते है तथा सामान्य कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा नही निर्धारित गयी है। आज इग्नू में 30 लाख से भी अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इग्नू का उदेश्य दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्र में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुँचाना है। अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ. शैलजा गुप्ता ने बताया कि अध्ययन केन्द्र 27188 दयानन्द वैदिक कालेज,उरई में परास्नातक स्नातक, डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र के अनेक रोजगारपरक पाठयक्रमों का संचालन किया जा रहा है। प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा से जुडे शिक्षक, भारतीय सेना के जवान तथा अन्य सरकारी विभागों में कार्यरत लोग अध्ययन केन्द्र 27188 पर नामांकित है तथा,यह भी बताया कि अध्ययन केन्द्र 27188 दयानन्द वैदिक कॉलिज,उरई को परीक्षा केन्द्र भी बना दिया गया है। अब इग्नू के विद्यार्थी अध्ययन केन्द्र 27188 पर भी परीक्षा दे सकते है। क्षत्रीये अपर निदेशक, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने कहा इग्नू अपने विद्याथियों के जीवकोपार्जन के लिए विभिन्न प्रकार के डिजिटल प्लैटफार्मो जैसे प्रभा चैनल, ज्ञान दर्शन व ज्ञानकोष के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्ययन में सहायता प्रदान करता है। विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए इग्नू की बेबसाइट पर जाकर अध्ययन सम्बन्धित अनेकानेक जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस दौरान डॉ. अलका रानी पुरवार, डॉ. शैलजा गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक ही समय में कर सकते हो डिग्री कोर्स- डा0 अनिल

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथिगण।

(आज समाचार सेवा)

उरई (जालौन) 25 अप्रैल। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में उच्च शिक्षा से वंचित समाज को शिक्षित करने का भागीरथ प्रयास किया जा रहा है। यह बात इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के अपर निदेशक डा0 अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुल सचिव डा0 निशित नागर ने इग्नू के अध्ययन केन्द्र डी0वी0सी0 उरई में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया कि नयी शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अब एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान की गयी है जिससे विद्यार्थियों को दो डिग्री कोर्स को अब एक ही समय में करने की सुविधा प्राप्त होगी। इसमें एक उपाधि संस्थागत व दूसरा इग्नू की दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अथवा दोनों ही इग्नू से कर सकते हैं। सहायक कुल सचिव डा0 निशित नागर ने बताया कि इग्नू द्वारा ओडीएल एवं ऑनलाइन मोड में लगभग 300 पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इग्नू 21 विद्यापीठों के माध्यम से मानविकी कानून विज्ञान सामाजिक विज्ञान शिक्षा सतत् शिक्षा कम्प्यूटर कृषि स्वास्थ्य विज्ञान पत्रकारिता इत्यादि से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। बताया कि इग्नू द्वारा विशेष रूप से अग्निवीर सैनिकों के लिये कौशल आधारित स्नातक उपाधि कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। डा0 मिश्रा ने कहा कि इग्नू की प्रवेश नीति जब चाहों तब प्रवेश पाओ की है इसके तहत छात्र वर्ष भर में कभी भी आवेदन कर सकते है और सामान्य कार्यक्रमों में प्रवेश के लिये किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा आयु सीमा निर्धारित नहीं की गयी है। आज इग्नू में 30 लाख से भी अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत है। इग्नू का उद्देश्य दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुंचाना है। अध्ययन केन्द्र समन्वयक डा0 शैलजा गुप्ता ने बताया कि अध्ययन केन्द्र 27188 डी0वी0सी0 उरई को परीक्षा केन्द्र भी बना दिया गया है। अब इग्नू के विद्यार्थी इस अध्ययन केन्द्र पर भी परीक्षा दे सकते है। इस अवसर पर दयानंद वैदिक कालेज उरई के प्राचार्य डा0 राजेश चन्द्र पाण्डेय, संयोजक डा0 अलका रानी पुरवार आदि मौजूद रहे।

- Senior Regional Director